कार्यालय उपजिलाधिकारी चकराता

संख्या– [illegible] / रीडर–2011 दिनांक दिसम्बर 16,2011

प्रमाण–पत्र

आवेदक श्री हरचरण सिंह पुत्र स्व0 श्री प्रेमजीत सिंह निवासी–114 सदर बाजार चकराता तहसील चकराता द्वारा दिये गये प्रार्थना–पत्र दिनांक 30–11–2011 पर तहसीलदार, चकराता से जांच कराई गई । तहसीलदार, चकराता की जांच आख्या दिनांक 16–12–2011 के अनुसार श्री प्रेमजीत सिंह निवासी–114 सदर बाजार चकराता की मृत्यु दिनांक 25–01–1999 को (मृत्यु प्रमाण–पत्र के आधार पर) हुई है । तहसीलदार, द्वारा मृतक के निम्नलिखित पारिवारिक सदस्य तस्दीक किये गये हैं ।

क0संख्या	पारिवारिक सदस्य का नाम	मृतक से सम्बन्ध	उम्र
1	श्रीमती जगजीत कौर	पत्नी	50 वर्ष
2	श्री हरचरण सिंह	पुत्र	28वर्ष

16/12/2011

उप जिलाधिकारी,
चकराता ।

फार्म संख्या 10ए
Form No. 10A
(नियम संख्या 14 देखिए)
See Rule 14

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVT. OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

№ 057161

विशिष्ट मृत्यु प्रमाण-पत्र (विस्तार में)
SPECIAL CERTIFICATE OF DEATH (DETAILED)

जन्म तथा मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 17 के अन्तर्गत दिया गया
Issued under Section 17 of the Registration of Births & Deaths Act, 1969

यह प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत सूचना मृत्यु के मूल लेख से ली गई है जो .... (स्थान) के रजिस्टर में उल्लिखित है।

This is to certify that the following detailed information has been taken from the original record of the Death which is in the register for ....NDMC.... (Local area)

पंजीकरण संख्या / Registration No. 259 — पंजीकरण की तिथि / Date of Registration 4.2.99

1. मृत्यु की तिथि / Date of Death: 25.1.99
2. मृतक का पूरा नाम / Full name of the deceased: Paramjit Singh
3. पिता/पति का नाम / Name of the Father/Husband: Sewa Singh
4. मृत्यु का स्थान (पूरा पता) / Place of Death (Full address): AIIMS N.D.
5. आयु / Age: 50 yrs
6. लिंग (पुलिंग/स्त्रीलिंग) / Sex (Male/Female): Male
7. वैवाहिक स्थिति (अविवाहित/विवाहित/विधवा/विधुर/त्यक्त/तलाक) / Marital Status (Never Married/Married/Widow/Widower/Separated/Divorced): Married
8. व्यवसाय / Occupation: Business
9. धर्म / Religion: Hindu
10. नागरिकता / Nationality: Indian
11. स्थाई निवास स्थान का पूरा पता / Permanent Full Address: [illegible] Chattrala [illegible]
12. बीमारी की अवधि / Duration of illness: 13 days
13. क्या मृत्यु का कारण चिकित्सक द्वारा प्रमाणित था? (हाँ/नहीं) / Whether Medically Certified? (Yes/No): Yes
14. चिकित्सा की किस्म (ऐलोपैथिक/आयुर्वेदिक/यूनानी/होम्योपैथिक/अन्य) / Kind of Medical attention received (Allopathic/Ayurvedic/Unani/Homoeopathic/Others): Allop.
15. टिप्पणी / Remarks

तिथि/Date 17/2

प्रेषितकर्ता के हस्ताक्षर (मोहर)
Signature of the Issuing Authority (Seal)
17/2/99

नोट। मृत्यु के सम्बन्ध में पंजी में दिए गए मृत्यु के कारणों का विवरण नहीं दिया जाएगा।
NOTE: In case of death no disclosure shall be made of particulars regarding the cause of death as entered in the register.

भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये

भारत

TEN RUPEES

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

NOTARIAL NOTARIAL

INDIA NON JUDICIAL

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

32AA 725619

06 OCT

शपथपत्र

समक्षः— जिला पर्यटन विकास अधिकारी जनपद देहरादून, उत्तराखण्ड।

शपथपत्र ओर सेः— श्रीमती जगजीत कौर पत्नी स्व0 श्री प्रेमजीत सिंह निवासी 114 सदर बाजार चकराता जिला देहरादून घोषणा करती हूँ किः—

मै शपथकर्ती उपरोक्त सशपथ निम्न कथन करती हूं।

1— यह कि शपथकर्ती का उपरोक्त नाम व पता सही एवं सत्य है।

2— यह कि शपथकर्ती के पुत्र श्री हरचरण सिंह ने आवासीय भवन के कक्षो को अतिथि—उत्तराखण्ड गृह आवास (होमस्टे) नियमावली के अन्तर्गत पंजीकरण हेतु आवेदन किया है।

3— यह कि शपथकर्ती के पुत्र श्री हरचरण सिंह का उक्त भवन में पूरा हक व अधिकार है।

4— यह कि शपथकर्ती को उक्त भवन को होम स्टे योजना के अन्तर्गत पंजीकरण के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति नही है और न ही भविष्य में कभी होगी बल्कि शपथकर्ती की पूर्ण सहमति है।

5— यह कि उक्त भवन को होम स्टे योजना के अन्तर्गत पंजीकृत किया जाना न्यायहित में उचित एवं आवश्यक है।

NOTARY UTTARAKHAND

जगजीत कौर......शपथकर्ती

सत्यापन

मै शपथकर्ती उपरोक्त आज दिनांक 08/05/2017 को स्थान चकराता में पुष्टि करती हूं कि इस शपथपत्र की चरण संख्या 1 से 5 तक मेरे निजी ज्ञान में सब सत्य एवं सही है।।

जगजीत कौर......शपथकर्ती

This affidavit is sworn before me by
Shri...... Jagjeet Kaur
who is identified by Shri ......
at Dehradun on ......

ANIL KUMAR
Advocate & NOTARY
Tehsil-Chakrata, Dist.-Dehradun

विक्रय पत्र भूमिधरी

स्टाम्प शुल्क [illegible] आवास विकास शुल्क [illegible] योग [illegible]

किस्म दस्तावेज [illegible] विक्रय मूल्य [illegible] बाजारी मूल्य [illegible]

विक्रीत भूमि का क्षेत्रफल [illegible] लगान मालिक [illegible]

कृषि हेतु या आबादी हेतु [illegible]

किस्म जमीन [illegible] सिंचित या असिंचित [illegible]

कोई पेड़ या बाग है अथवा नहीं

आवास एवं विकास परिषद क्षेत्र के अन्दर है या बाहर [illegible]

नगर पालिका सीमा के अन्दर है या बाहर [illegible]

मैं/हम कि श्री [illegible]

[illegible]

[illegible]

जो कि मैं/हम विक्रेतागण इस विक्रय पत्र के अन्त में दी गई सम्पत्ति के पूर्ण मालिक काबिज स्वामी व भूमिधरी है यह सम्पत्ति हर प्रकार के बन्धनों से मुक्त है कहीं रहन बय आदि नहीं है। हमें अपना निम्न वर्णित सम्पत्ति देने का सौदा मिल एवज मुवकिल (रुपये अंकों में) [illegible] (रुपये शब्दों में) [illegible] में बदस्त श्री [illegible]

[illegible]

से किया हुआ है इसी प्रतिज्ञा पूर्ति में यह विक्रय पत्र सम्पन्न किया जाता है अतः हम विक्रेतागण स्वस्थ मानसिक दशा में बिना किसी के सिखलाये, बहकाये, यह पत्र सम्पन्न करते हैं।

यह कि मैं हम विक्रेतागण के निम्न वर्णित भूमि उक्त क्रेता श्री/श्रीमती [illegible] को मुवलिक [illegible] को रुपये में विक्रय कर दिया है तथा उस से यह धनराशि मैंने/हमने इस प्रकार प्राप्त कर ली है—

समस्त धनराशि पहले प्राप्त कर ली है। ×

पूरी धनराशि माप सब रजिस्ट्रार महोदय [illegible] के समक्ष प्राप्त कर ली है/रु० [illegible] रुपये पहले बतौर बयाना किये हैं शेष राशि [illegible] रुपये श्रीमान सब रजिस्ट्रार महोदय के समक्ष इस दस्तावेज को पंजीकरण हेतु प्रस्तुत करते समय प्राप्त कर लिये हैं। आज से क्रेता महोदय इस भूमि के पूर्ण मालिक काबिज स्वामी भूमिधरी हो गये हैं।

क्रेता को अधिकार है कि वह कागजात व स्वामित्व से हमारा नाम खारिज करवा कर अपने नाम दर्ज करा लेवे। यदि क्रेता के स्वामित्व को पुष्टि हेतु कोई लेख या बयान देने को आवश्यकता हुई तो वह लेख या बयान मैं/हम क्रेता के खर्च पर देंगे।

आज दिन तक कोई कर या लगान आदि वाजिब हुआ तो मैं/हम विक्रेतागण अदा करेंगे आईन्दा क्रेता अदा करने के जिम्मेवार होंगे।

विक्रित भूमि या इसका कोई भाग हमारे किसी विक्रय अधिकार दोष के कारण क्रेता के कब्जे से निकल जावे या हानि सहन करना पड़े तो उसका कुल जिम्मेदारी मय सूद कानूनी मैं/हम विक्रेतागण पर होगी।

इस विक्रय पत्र में प्रयुक्त शब्द क्रेता विक्रेतागण में दोनों के उत्तराधिकारी व स्थानापन्न भी सम्मिलित हैं वे रहेंगे।

[illegible] [illegible]

फीस रजि० नुलना शुल्क योग शब्द लगभग

स्टाम्प रजिस्ट्री 800

12,625=00 10100/= 25/= 6,025/=

उप निबन्धक
विकासनगर

श्री राजेन्द्र गुप्ता

पुत्र / पत्नी श्री राधाकृष्ण गुप्ता निवासी राजविला (अभि०) सुषमा गुप्ता पुत्री श्री

मोला कालोनी ... ने

इस लेख को मेरे कार्यालय उप निबन्धक देहरादून में दिनांक ... को ... बजे प्रस्तुत की।

समय ... विकासनगर (देहरादून) में

दि० 28-12-2012 को समय 3=00 से 4=00 पूर्व अपराह्न प्रस्तुत की। इनके अंगूठे निशानी नियमानुसार कराये गये।

उपनिबन्धक सुषमा गुप्ता अभि० राजेन्द्र गुप्ता

उप निबन्धक
विकासनगर

ने

इस लेख पत्र का निष्पादन सुन व समझ कर अभिलेख सुषमा गुप्ता ... राजेन्द्र गुप्ता ... निवासी ... पुत्र ... निवासी ... विक्रयपत्र

विकासनगर जि० देहरादून ... व उसमें लिखित विक्रय धन / मु० 101000=00 (एक लाख एक हजार रुपये) ~~मेरे समक्ष पाकर स्वीकार किया।~~ जिसके ... में से

50,500=00 (पचास हजार पाँच सौ) ... में से

Rs 69000/= पेशगी व तौर बयाना प्राप्त करना स्वीकार किया है, शेष राशि Rs 32,000/- ... उप निबन्धक विकासनगर के समक्ष अदा किया गया है।

निष्पादनकर्ता को ... पहिचान श्री ... पुत्र श्री ... नि० ... पुत्र ... ग्राम ... ने की जो ... प्रतीत होते हैं और इनके नि० अं० नियमानुसार कराये गये।

अभिलेख सुषमा गुप्ता अभि० राजेन्द्र गुप्ता अभि० ... नि० ...

S.R.
Chakrata

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

(2)

उक्त सम्पत्ति हम [illegible] को
शेख मुहम्मद अहमद वल्द श्री शेख [illegible]
अहमद [illegible] व [illegible]
[illegible] विरासत शेख [illegible]
वल्द श्री शेख [illegible]
[illegible] जिला सहारनपुर
को बजरिये रजिस्ट्री बैनामा दिनांक 12.10.1966
ई० को खरीद की है, जो दिनांक 12 अक्टूबर
सन् 1966 को सब रजिस्ट्रार [illegible]
के कार्यालय में बही नं० I की जिल्द XV के
[illegible] 34/64 पर पृष्ठ 195 से 197 पर
[illegible] दर्ज की गई है।

Photo of [illegible] Advt.

[signature] [signature]

attested
[illegible] Advocate
28/12/89

5000Rs.

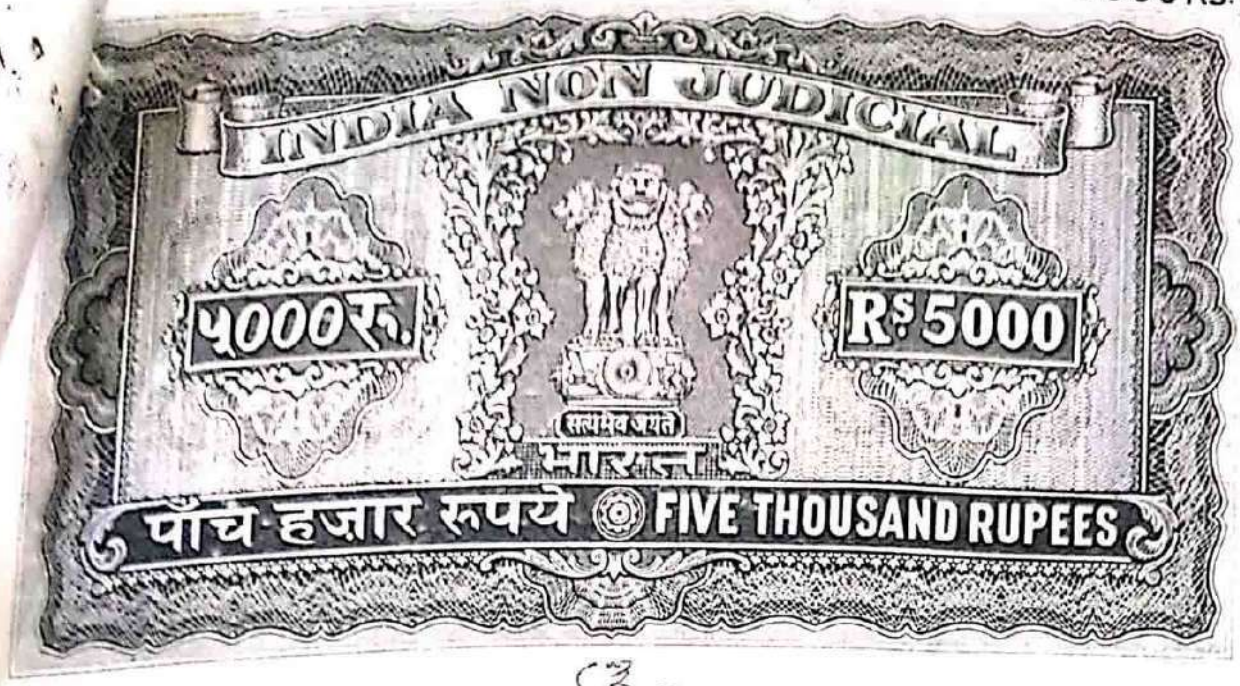

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

(२)

इस प्रकार हम इस सम्पत्ति के मालिकान व काबिज़ान हैं। हमें इस सम्पत्ति को बेचने व हस्तान्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। इस सम्पत्ति की नजूल भूमि की मालिक भारत सरकार है जो कैन्ट बोर्ड लखनऊ द्वारा हम विक्रेता-गणों से इस सम्पत्ति के पूर्व के मालिकान को ओल्ड ग्रान्ट टेनेट के अन्तर्गत लीज पर मिली हुई है। जो अधिकार लीज सम्बन्धी इस सम्पत्ति के बारे में हम विक्रेतागण को प्राप्त है, वह समस्त अधिकार हमारे हो आज अब क्रेता के हक में को प्राप्त होंगे। यह सम्पत्ति हम विक्रेतागण ने क्रेता को ___

अदायगी

[illegible]

2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

(8)

[illegible] को मुबलिग १०१००० (एक लाख एक
हजार) रुपये में विक्रय की है। जिसकी
सम्पूर्ण रकम विक्रेता [illegible] ने क्रेता महोदय
से इस प्रकार प्राप्त की है। मुबलिग रु.
८९०००-०० (उननब्बे हजार) रुपये अग्रिम नकद
पेशगी बतौर बयाने के प्राप्त कर लिये हैं और
शेष मुबलिग रु.१२०००-०० (बारह हजार) रुपये
श्रीमान उप रजिस्ट्रार महोदय — [illegible] के
समक्ष वक्त रजिस्ट्री प्राप्त किये हैं। इस
प्रकार हमने इस सम्पत्ति की कुल — [illegible]
मुबलिग १०१०००-०० (एक लाख एक हजार)
रुपया।

613

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

सामने इस विक्रेता महन्तों ने क्रेता गोविन्द सम्प्रदाय
ले ली है। अब कुछ लेना शेष नहीं रहा है।
आज की तारीख से पहले कायम भी हाउस टैक्स
वाटर टैक्स बिजली टैक्स आदि जो इस सम्पत्ति से
सम्बन्धित देय हों, उनकी अदायगी की जुम्मेदारी
हम विक्रेता महन्तों पर होगी और आज की तारीख
से आइन्दा उक्त विक्रीत सम्पत्ति से सम्बन्धित
समस्त टैक्सेज क्रेता से वसूल किये जायें।
कैन्टोन्मेन्ट बोर्ड नगरपालिका के रजि. असेसमेन्ट
रिकार्ड 1988-89 से 1990-91 तक (दुकान)
No 11A का वार्षिक निर्धारित किराया 300/-
(तीन सौ) रुपये है तथा दु. मकान No 11A की का
150/- (एक सौ पचास) रुपये है। इस प्रकार
उक्त सम्पत्ति का कुल वार्षिक निर्धारित किराया 450/

[illegible]

[illegible]

615

60 Rs.

साठ रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

६० रु. SIXTY RUPEES 60Rs

।६।

(चार सौ पच्चीस) रुपये है। जिसका २५ गुना करके विक्रीत सम्पत्ति की मालियत १०६२५.०० (दस हजार छः सौ पच्चीस) रुपये होती है। किन्तु यह सम्पत्ति विक्रेतागण ने क्रेता महोदय को मुबलिग १०१०००.०० (एक लाख एक हजार) रुपये में विक्रय की गई है, जिस पर नियमानुसार १२६२५.०० (बारह हजार छः सौ पच्चीस) रुपये का स्टाम्प शुल्क अदा किया जाता है।

विक्रेता

617

60 Rs.

साठ रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

६० रु.

60RS

SIXTY RUPEES

विक्रीत सम्पत्ति का विवरण व दिशायें
निम्न प्रकार है।
दुकान No 114 (एक सौ चौदह नम्बर) इसके
आगे का आंगन [illegible] स्थित न इसका [illegible]
पीछे पश्चिम दिशा की ओर व मकान No 114A
(एक सौ चौदह ए) ऊपर स्टोरी [illegible]।
सदर बाजार [illegible] जिला है देहरादून।
इसकी दिशायें निम्न प्रकार है।
इसके पूर्व में [illegible] बाजार से आने जाने
वाली सीढ़ी तथा रास्ता आम
पश्चिम में - दांग
उत्तर में - दुकान No 115
दक्षिण में - नाली व दुकान [illegible]

[illegible]

[illegible]

619

(7)

इसलिये यह विक्रय पत्र लिख दिया कि सनद रहे और वक्त जरूरत काम आवे।

फलत. तारीख २८-१२-१९८९ ई.

स्टाम्प. इन्डाइका ... [illegible] 5/-

लेखक. ... [illegible]

कातिब

हस्ताक्षर विक्रेता

Vedbhushan Gupta

हस्ताक्षर क्रेता

Hari Bhushan Gupta

साक्षी नं १
हरनाम सिंह पुत्र ... [illegible]
साकिन विकासनगर

हरनाम

साक्षी नं २
रतीराम पुत्र ... [illegible]
आयु ... [illegible]

रतीराम

Please Sri Ved Bhushan Gupta and Sri Hari Bhushan Gupta and the witnesses Harnam and Rati Ram identified

[illegible] Advocate
28/12/89